ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हंस और कछुआ

क्लास -६

विषय –हिन्दी

पाठ -३

PPT-४

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

बनाई।   ने   से कहा कि वे एक   लेकर उसके दोनों सिरों को अपनी-अपनी   में दबा लेंगे और कछुआ उस लकड़ी को अपने   से बीच में से पकड़ लेगा।   ने   की योजना मान ली।   ने उसे बोलने से मना कर दिया था। वे तीनों उड़ चले। जब वे एक   के ऊपर से उड़ रहे थे, तो नीचे कुछ बच्चे   उड़ा रहे थे। सभी   ऊपर का दृश्य देखकर चकित रह गए। गाँव में खूब शोर मच गया।   उनके पीछे-पीछे भागने लगे और आपस में बात करने लगे।

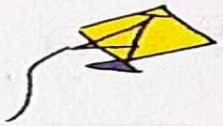

एक   बोला-"देखो! कैसा अद्भुत दृश्य है।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ-सिरों-किनारे (ends), **अद्भुत**-अनोखा (unique)

दूसरा बोला—"अगर यह गिर पड़े, तो मैं इसे अपने घर में ले जाकर पालूँगा।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

तीसरा बोला—"नहीं, मैं तो इसे पकड़ लूँगा और कहीं जाने नहीं दूँगा।"

सबकी बात सुनकर बेचैन हो रहा था। उसे की बातें सुनकर गुस्सा भी आ रहा था। उससे बोले बिना रहा नहीं गया। वह अपना संयम खो बैठा और गुस्से में आकर बोला—"तुम क्या खाक पकड़ोगे मुझे!" इतना कहना था कि वह ज़मीन पर गिर पड़ा और मर गया।

शब्दार्थ

- **सिरों** –जीव-जंतुओं के शरीर में गरदन के ऊपर का भाग
- **योजना** –भावी कार्यों की व्यवस्था , किसी कार्य को निष्पादित करने का प्रस्तावित कार्यक्रम (प्लान)।
- **दृश्य** –जिसे देखा जा सकता हो ; देखने योग्य ; नज़ारा , जो दृष्टिगोचर हो ; जो दिखता हो
- **चकित** –आश्चर्य में आया हुआ, विस्मित।
- **शोर** –लोगों के चीखने चिल्लाने आदि की सामूहिक ध्वनि
- **अद्भुत**-आश्चर्यजनक, अनोखा।
- **बैचेन** –विकलता; व्याकुलता; घबराहट।
- **गुस्सा** –क्रोध के आवेश में आना
- **संयम** –नैतिक शिक्षा में संयम का अर्थ प्रायः धैर्य, धीरज या सब्र, सबूरी से लिया जाता है। यहाँ संयम का मतलब जल्दबाज़ी, उतावलापन, आवेग अथवा उग्रता का त्याग करना होता है।
- **जमीन** –धरती

1. **खाक** - धूल। ,मिट्टी।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

व्याख्या

- बहत सोच –विचार करने के उपरांत दोनों ने एक योजना बनाई । हंस ने कछुआ से कहा एक छड़ी के दोनों भागों को हम दवा लेंगे और तुम छड़ी के बीच को पकड़ लेना । इस प्रकार आराम से हम इस तालाब को छोड़कर दूसरे तालाब तक पहुँच सकेंगे । सब योजना को मान ली । दोनों हंस बोले कभी भी बात करने केलिए साहस न करना ,नहीं तो गिर जाओगे । उसके उपरांत तीनों मित्र आकाश में उड़ने । नीचे कुछ बालक पतंग उड़ा रहे थे । तीन मित्रों को देखकर सब हैरान हो गए । सब उनके पीछे पीछे भागने लगे । सब आपस में यह बात करने लागे । दुसरें ने कहा –यदि ये गिर पड़े तो मैं घर ले जाकर पालूँगा । तिसरें ने कहा –इसको पकड़ कर ले जाऊंगा और किसीको नहीं दूंगा । यह सब बात सुन कर कछुआ अपने आपे में न रह सका । गुस्से में आग बबूला हो गया और बोलने लगा कि तुम मुझे खाक पकड़ोगे । इतने में कछुआ जमीन पर गिर कर मर गया । इसलिए मुसीबत के समय चुप रहना ही बुद्धिमान का कार्य है ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

व्याकरण

- **तुकांत वाले शब्द बनाओ –**
- कहा ---
- लकड़ी ---
- पकड़ ---
- माना –
- **पर्याय वाची शब्द लिखो –**
- हंस ---
- लड़का ---
- दृश्य ---
- घर ---

गृहकार्य

- कौन योजना बनाए ?
- कछुआ कहाँ पकड़ लेगा ?
- क्या करने केलिए दोनों हंस मना कर दिए ?
- कौन पतंग उड़ा रहे थे ?
- लड़के क्या कर रहे थे ?
- सब चकित क्यों हो गए ?
- गाँव में शोर क्यों मच गया ?
- कौन आपस में बात करने लगे ?
- मैं इसे पकड़ लूँगा ---कौन कहा ?
- कौन गुस्से में आ गया और क्यों ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP